बिलट महथा आदर्श महाविद्यालय, कहेड़ी, दरभंगा
(L.N.M.U)

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक - तृतीय खण्ड
षष्ठ - पत्र : आधुनिक मैथिली काव्य

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग
दिनांक 26/11/2020

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश (पहिल भाग)

प्रश्न :- सुंदरकांडक आधार पर सीताक चारित्रिक वैशिष्ट्य ?

उत्तर :- दृश्यकाव्य मे चरित्रक परिचय देबाक हेतु जाहि विषयक उल्लेख बिनु कथनहुँ काज चलि जाइत अछि से श्रव्यकाव्य मे संभव नहि होइत अछि। कवि लोकनि शब्दक माध्यमसँ जतेक सूक्ष्मताक चरित्र - चित्रण करैत छथि। कोनो विद्वान जतेक सूक्ष्मताक संग पात्रक चरित्र पर प्रकाश दैत छथि से ततेक सफल मानल जाइत छथि। कवि अपन प्रौढ़ कल्पनासँ पात्रक व्यक्त आ अव्यक्त दुनू व्यक्तित्वक चित्रण करैत छथि।

सीताहरण रामायणाक केन्द्रीय घटना थिक जकर व्याप्ति सम्पूर्ण कथा सूत्र मे पसरल अछि। कवीश्वर चन्दा झा अपन रामायणक सुंदरकांड मे सीताक चित्रण एक सामान्य मनुष्य जीवन जीबैत नारीक रूपमे कयल गेल अछि। रावण सन शक्तिशाली दुश्मन द्वारा ओ अपहृता ओ भयभीता छथि। दुर्गम स्थलमे दुबट राक्षसी लोकनिक संरक्षण मे ओ राखल गेलीह अछि तैं चिंतित आ डेरायलि छथि। एहि सँ सीताक चरित्रक एक पहलूक उद्घाटन होइत अछि। दोसर दिसि रावण द्वारा जखन हुनका लग अनुचित प्रस्ताव राखल जाइत अछि तँ लाख भय आ लोभ देखेलाक बादो ओ किन्नहु परास्त नहि होइत छथि। सीता द्वारा रावणकेँ देल गेल उत्तरक जे वर्णन कवीश्वर कयने छथि ताहिसँ सीताक....

26/11/2020